

एचईसी

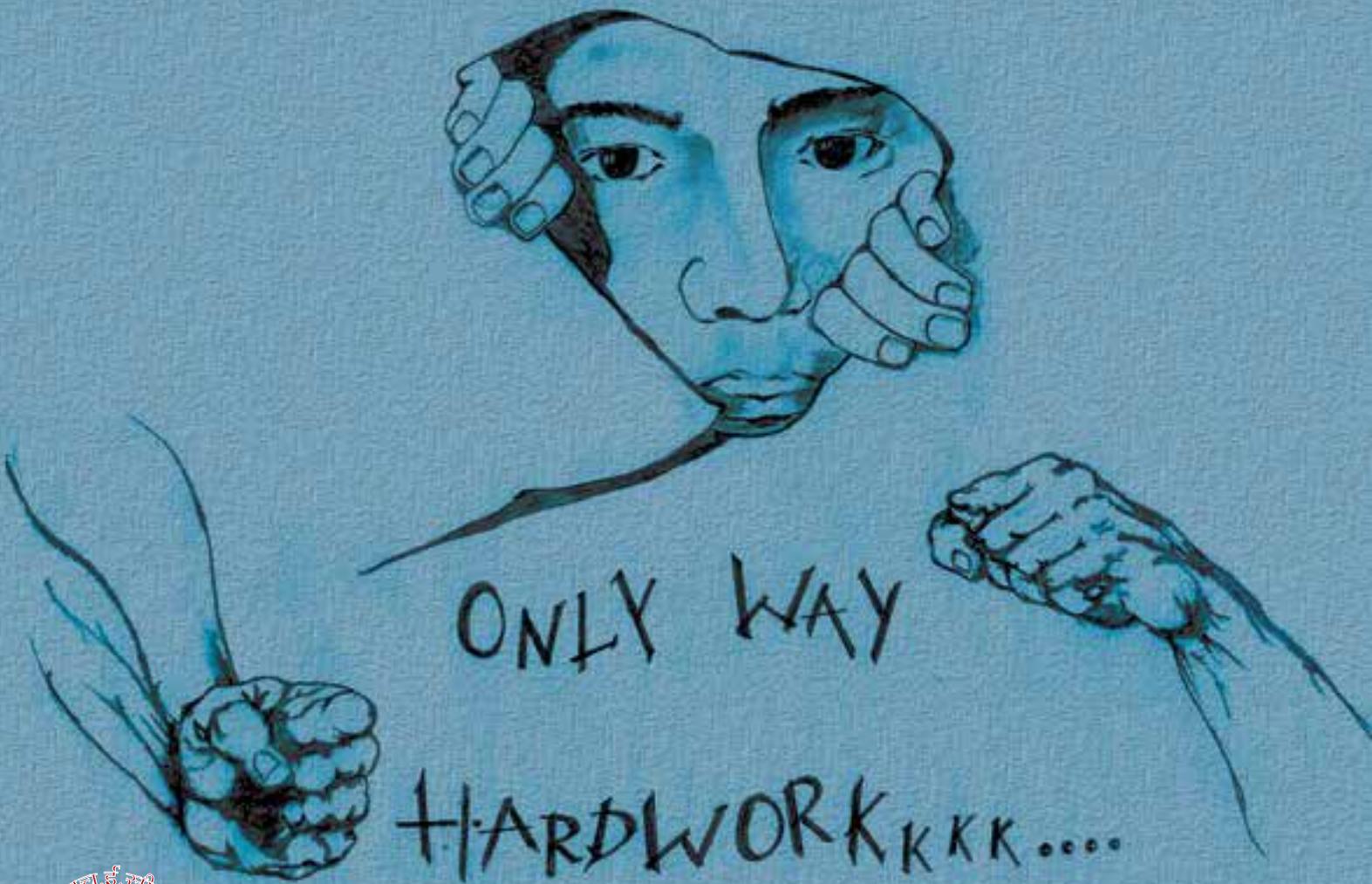
परिवार

गृह पत्रिका • सप्तम अंक • जुलाई 2012



Our New CMD - Shri R. Misra

LOOKING FOR NEW HORIZONS!!!





अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक की कलम से...

मेरे प्यारे सहकर्मियो, सर्वप्रथम, मैं एचईसी टीम को विपरीत व्यापारिक परिवेश में भी लगातार छठे वर्ष लाभ अर्जित करने के लिए धन्यवाद देता हूँ। इससे मेरा

विश्वास और दृढ़ होता है कि परिस्थितियाँ चाहे जितनी भी कठिन हो, सामूहिक प्रयास एवं टीमवर्क से हम मुश्किलों को दूर कर सकते हैं। यह हमें भविष्य के लिए भी आशा की उज्ज्वल किरणें प्रदान करता है।

वर्ष 2011-12 विपरीत एवं अस्थिर वैश्विक आर्थिक वातावरण की वजह से काफ़ी मुश्किल भरा था जिसका प्रभाव हमारे देश पर भी पड़ा। वर्ष की तीसरी तिमाही तक एचईसी के परिणाम भी उत्साहबद्ध नहीं थे। फरवरी 2012 में हमारे बैंकरो द्वारा हमारा बैंकिंग परिचालन भी रोक दिया गया था, इसके बावजूद भी आपके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप अंतिम तिमाही में हालात बदल गये और परिणाम हमारे सामने है।

हम ग्राहकों को समयबद्ध डिलीवरी और गुणवत्ता के द्वारा संतुष्टि प्रदान करने में कामयाब रहे हैं परंतु इन क्षेत्रों में और अधिक सुधार की आवश्यकता है। हमारा भविष्य बेहद उज्ज्वल है फिर भी मंजिल की राह आसान नहीं है। हम देख रहे हैं की पिछले कुछ महीनों में वेतन भुगतान में कुछ विलम्ब हो रहा है, तथापि हम इसे अद्यतन रखे हुए हैं। इस समस्या का समाधान नारेबाजी या मीडिया में चर्चा करने से नहीं हो सकता है। इसका निदान सिर्फ कठिन परिश्रम, ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण उपकरणों एवं पुर्जों की समयबद्ध आपूर्ति, हाउसकीपिंग तथा पर्यावरण संरक्षण को पर्याप्त महत्व देकर ही किया जा सकता है।

विगत चार वर्षों में कर्मचारियों को अनेक लाभ प्रदान किए गये हैं। मैं उनमें से कुछ का उल्लेख करना चाहता हूँ :

- 1997 के वेतन पुनरीक्षण का क्रियान्वयन,
- 50 प्रतिशत मँहगाई भत्ते का मूल वेतन के साथ समावेशन,
- 2007 के वेतन पुनरीक्षण का क्रियान्वयन,
- ग्रेच्युटी सीमा को 10 लाख करना आदि।

उपर्युक्त कदमों से हमारे शुद्ध वेतन में दो से तीन गुणा की वृद्धि हुई है। अब समय आ गया है कि हम कम्पनी की बेहतरी के लिए भरपूर योगदान दें।

यहाँ मैं आपका ध्यान संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी द्वारा जनवरी 20, 1961 को उनके राष्ट्र के नाम प्रथम सम्बोधन की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ :

“यह न पूछें कि देश आपके लिए क्या कर सकता है, यह पूछें कि आप देश के लिए क्या कर सकते हैं?”

मैं आप सबों से विनम्र अपील करता हूँ कि आप आत्मान्वेषण करें और निश्चय करें कि कम्पनी की बेहतरी के लिए आप क्या कर सकते हैं। बाकी चीजें स्वतः प्राप्त हो जायेंगी।

अभी हाल में हमने ‘टर्न एराउंड कैटेगरी’ में ‘ब्यूरोक्रेसी टूडे’ द्वारा संस्थापित प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्राप्त किया है। इसका पूरा श्रेय एचईसी टीम को जाता है।

अप्रैल-जून '12 त्रैमास का परिणाम बहुत ही खराब रहा है। कम्पनी को 25 करोड़ रूपयों से अधिक का नुकसान हुआ है। मैं आपसे विनम्र आग्रह करता हूँ कि आगे मिलजुल कर योजनाबद्ध तरीके से कठिन परिश्रम कर कार्य करें जिससे सितम्बर महीने तक पूरे नुकसान की भरपाई हो सके।

मेरे प्यारे दोस्तो, मैं आप सबों में योग्यता, अनुभव एवं क्षमता के रूप में ऐसा संसाधन देखता हूँ जो एचईसी के उज्ज्वल भविष्य का निर्माता है। आप सबों में मैं ऐसा चरित्र देखता हूँ जो औरों के लिए प्रेरणास्रोत हो, उन्हें बड़े सपने दिखलाये, अधिक से अधिक सीखने, कार्य करने और लक्ष्य प्राप्त करने की ओर उन्मुख करें। आपसे हमारी अपेक्षाएँ भी अत्यधिक हैं और मैं आपको अपने प्रयासों में पूर्ण समर्थन एवं सहयोग का वचन देता हूँ। आप इस अवसर को 2012-13 में एचईसी को पुख्ता आधार प्रदान करने हेतु पूरा उपयोग करें।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

जय एचईसी! जय एचईसी!! जय एचईसी!!!

रमावल्लभ मिश्र

(रमावल्लभ मिश्र)

सम्पादक मंडल...

अनुग्रह झा

वरीय उपमहाप्रबंधक (मा.सं.)



हेमंत कुमार गुप्ता

वरीय उपमहाप्रबंधक (ज.सं.वि.)

कमल देव सिंह

मुख्य औद्योगिक अभियन्ता



संगीता सिन्हा

वरीय प्रबंधक (का. एवं प्र.)

संजय सिन्हा

वरीय प्रबंधक (निगमित विप.)



शिबू जॉन

वरीय प्रबंधक (वित्त)

डॉ. उषा किरण सिन्हा

वरीय शिक्षिका



संजय कुमार सिंह

सहा. प्रबंधक (ज.सं.वि.)

आवरण पृष्ठ सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर आयोजित रेखांकन/पेंटिंग प्रतियोगिता से चुना गया है। इसके परिकल्पना एवं चित्रकार हैं :

श्री तुषार कान्त मोहन्ता, सहायक प्रबंधक, 050 शाँप, एचएमबीपी।

Shri R Misra takes over as Chairman cum Managing Director of Heavy Engineering Corporation Ltd., Ranchi

Sri R Misra has taken over as Chairman cum Managing Director, HEC w.e.f. 1st Jan. 2012. He joined HEC in May 2008 as Director (Fin.) and since his assuming the charge as a member of the Board; he has been instrumental in turning around HEC. His vast knowledge in Finance has no doubt helped HEC coming out of red and earn sustained profits for the last six years.

CMA of ICAI, Kolkata (6th in India & awarded G.D.Mundhra Gold Medal) in 1977 & C.S. from ICSI, New Delhi in 1979, Sri Misra did his Masters in Commerce in 1976 securing 1st position in university for which 2 Gold Medals were awarded to him, L.L.B. from Utkal University in 1979 and C.A. from ICAI in 1980. He was a Rank-holder in both the Intermediate and Final Examinations of ICAI. He joined Orissa Mining Corporation Limited, Bhubaneswar, a Government of Orissa Enterprise as Company Secretary in October 1980 and was heading HR, Finance, Secretarial and Legal

Departments of the company from time to time. After OMCL he worked as Director (Fin.) in Grid Corporation of Orissa Limited from October 1996 to November 2005, thereafter, Sri Misra worked as Director (Fin.) in Uttarakhand Jal Vidyut Nigam Limited, Dehradun from November 2005 to May 2008.

Sri Misra was also closely associated with Power Sector Reforms in the country which was started in Orissa for the first time. Sri Misra has played an important role in Mining, Metallurgy, Generation of Power (Thermal & Hydro), Transmission & Distribution of Power.

His zeal and enthusiasm has helped in bringing HEC back to the national limelight with business and profitability growth. His penchant for Team Spirit and Customer Responsiveness has brought excellent results for the company with HEC making a great turn around which has won the confidence of the stakeholders.

बीटी-स्टार पीएसयू एक्सेलेंस अवार्ड 2012-टर्न अराउंड कैटेगरी-एचईसी की नई उड़ान

25 मई को होटल ताज मान सिंह, नई दिल्ली में हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, रांची को टर्न अराउंड कैटेगरी में "बीटी-स्टार पीएसयू एक्सेलेंस अवार्ड 2012" से असाधारण उपलब्धि के लिए नवाजा गया। अवार्ड श्री ऑस्कर फर्नाण्डिस, अध्यक्ष मानव संसाधन विकास समिति, श्री टी.के.ए. नायर, प्रधान मंत्री के सलाहकार और श्री निशिकांत सिन्हा, पूर्व अध्यक्ष, पीईएसबी के कर कमलों द्वारा श्री आर. मिश्र, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एचईसी को प्रदान किया गया।



Shri R. Misra, CMD, HEC and Shri S. Banerjee, Dir. (Per) receiving the award from Shri Oscar Fernandes, Chairman, Committee on Human Resource Development

ज्यूसी के सदस्यों में सर्व श्री टी. के.ए. नायर, माननीय प्रधानमंत्री के सलाहकार एवं ज्यूसी के चेयरमैन, दीपक पारेख, चेयरमैन, एचडीएफसी लिमिटेड, डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन, सांसद एवं हरित क्रांति के जनक, निशिकांत सिन्हा, पूर्व चेयरमैन, पीईएसबी, भास्कर चटर्जी, आई.ए.एस. (सेवा निवृत्त) और सुहैल ए इलियासी, प्रमुख सम्पादक, ब्यूरोक्रेसी टूडे शामिल थे।

श्री आर. मिश्र ने पुरस्कार प्राप्ति के पश्चात् कहा कि टीम भावना एवं ग्राहकों का हम पर विश्वास के फलस्वरूप ही कंपनी ने टर्न अराउंड प्लान के तहत उत्कृष्ट परिणाम दिये हैं और निगम खतरे

से बाहर आने में कामयाब हो गया है। यहाँ यह भी उल्लेख करना आवश्यक है कि कंपनी लगातार विगत छह वर्षों से मुनाफा अर्जित कर रही है।

ब्यूरोक्रेसी टूडे पत्रिका द्वारा "बीटी-स्टार पीएसयू एक्सेलेंस अवार्ड्स-2012" की शुरुआत की गई जो लोक उद्यमों के व्यापारिक निष्पादन में उत्कृष्टता एवं भारत की अर्थ व्यवस्था में तेजी से परिवर्तन लाने हेतु पुरस्कार प्रदान करता है। इसमें 87 लोक उपक्रमों को निगमित प्रतिबद्धता एवं स्थिरता को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ। आजादी के पश्चात् भारत के आर्थिक पुनरुत्थान में लोक उद्यमों की महती भूमिका रही है। इसके फलस्वरूप ही आज भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। इस तरह प्रतिष्ठानों के योगदान के साथ-साथ कठिन परिश्रम एवं नेतृत्व क्षमता ने नई ऊंचाइयाँ प्रदान की है। नई पहचान एवं अदम्य साहस के फलस्वरूप ही संस्थानों को पुरस्कृत किया जाता है। पुरस्कार पाँच क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान हेतु दिया गया जिसमें एचईसी को "टर्न अराउंड" कैटेगरी में पुरस्कृत किया गया।



Col Subhra Banerjee Retd. joins HEC family as Director (Personnel)

Col Subhra Banerjee Retd. joined HEC family as Director (Personnel) on 06.02.2012.

Col Subhra Banerjee Retd. after completing his B Tech (Mechanical) from CME, Pune started his career as Engineer Platoon Commander in Indian Army in 1984. He was associated with Indian Army till Jan 2006 as Colonel General

Col S. Banerjee Retd., Dir (Per)

Staff (Engineers) at a Strike Corps Hqrs.

He did his M. Sc. (Defence & Strategic Studies) from Defence Services Staff College, Wellington and PG Diploma in Senior Defence Management from

Army War College, Mhow. Shri Banerjee acquired Executive Diploma in HR Management from XLRI.

He also worked as Head People & Organization Development, Talent Acquisition and Central Administration at Larsen & Toubro Limited (30 Jan 2006 to 30 Jul 2010)

He has vast Professional Experience in the field of man management. Prior to joining HEC as Director (Personnel), he was associated with Electrosteeel Castings Limited, Kolkata (Aug 2010 to Feb 2012) as Senior General Manager (Corporate HR), where he had been handling all aspects of Human Resource Management.

HEC Parivar welcomes him and wishes him all success.

GOOD TO BE BACK IN RANCHI

I was born in Kolkata when my father, NN Banerjee, was working with ONGC and posted in Hoshiarpur in the land of the five rivers. Within a year of my birth in 1962, my father, a civil and structural engineer from the University of Glasgow, got the opportunity to join the HEC family. That's when I had the fortune of getting the first look at the skyline of Ranchi which was dominated by the chequered chimneys and smoke stacks of HEC. We started by staying in a rented house in South Office Para, where many of the early employees of HEC also lived alongside us. Our family then consisted of my father, mother and I. I do not remember much of my days at South Office Para.

Later we shifted to the temporary quarters and A II/ 116, Dhurwa was our abode for the next few years. I started my schooling at the HEC Nursery School at Dhurwa under the very formidable principal, Mrs Roy. I remember walking to the school, initially accompanied by my mother and later alone, through the narrow gully between the B Type quarters and the A II Type quarters. We had a great lot of friends in Vaskar, Kamal and Mannu Sharma, the Ojha children, Mamu, Jogeshwar, the Mandal brothers, Papu and Titu, the sons of the dentist of HEC, all of us studying in the same school. Later I was forced to join Loreto Convent, much to my discomfort, since it was a girls' school. Thankfully the ordeal came to an end in one year when I moved to St Xavier's School, Doranda. It was in Dhurwa that my sister, Sohini, was born in the old Plant Hospital. Today she is a mother of two, the son studying in Singapore and the daughter studying in Delhi and her husband the Managing Director of Group IV. It was in Dhurwa that I picked up various games like Gulli-Danda, football, cricket, carom and ludo. Great days that we had. The fights that we had amongst us would be nothing less than a war when it came to winning or losing a game. It was in Dhurwa that we got our first pet, a white cow and her red coloured calf. Fresh milk was in abundance since Gau Mata joined the family. A refrigerator in those days was a status symbol and would often be displayed in the drawing room by those who owned one. Even we did so, a white coloured Allwyn 165 litres. The purpose of buying the refrigerator was to store the abundance of milk that gau mata bestowed us with. Sunday was shopping day at the Dhurwa Bazaar.

The best part of the day was the journey to and from school in the HEC buses.

I remember one of the drivers who had named his bus "Dhurwa Rocket" and would never allow the Loreto bus overtake our bus. We were the first to board the bus in the morning and the last to disembark at the end of the day. Those buses are not to be seen on the roads now. When I was in class 5, my father was allotted E 39/III to which we moved. Life in Sector III was great. The greatest thing about life in the colony was the after school games of football, cricket, and badminton. Of course intense academic competition between the students would lead to total disruption of the games just prior to the exams, only to begin with renewed gusto the day the exams got over.

Of course watching and wooing birds of the non-flying two legged variety was done surreptitiously since such activities was strongly frowned upon by the parents. Groups of boys and girls would be circumnavigating the colony in clockwise and anti-clockwise directions respectively. Durga Puja, Diwali, Holi and Saraswati Puja were festivals which were celebrated by the residents of HEC like one large family. Pandal hopping during the Pujas was very common when groups of neighbours would go from one pandal to another. After many years I re-lived the Holi of my youth when I had the opportunity to play Holi in Ranchi after I had joined HEC in March this year.

It was in E 39, Sector III that my brother Devdutta was born. Today he is Regional Director for India and South Asia for Starwood Hotels, married to the granddaughter of Jyoti Basu, the ex Chief Minister of West Bengal, and lives in Gurgaon. He too studied in St Xavier's School, St Xavier's College and later did his Hotel Management from IHM, PUSA Delhi. A large number of children of HEC employees who lived in Sector 3 are today in one group in the Facebook. They regularly interact with each other and share past incidents which occurred when they were children and reminiscence about their childhood days spent in HEC.

It was from E 39 that I got selected for the National Defence Academy. Today the honourable Union Minister for Tourism resides in E 39 / III. I joined NDA in 1979 and passed out in the year 1982. Indian Military Academy followed NDA and finally I was commissioned as an officer of the Indian Army on 18 June 1983. In Jan 1988, I was married to Kuntala, the daughter of Late Mr Kamalesh Ganguly, who also was an HEC employee and later became Director (Corporate Planning). The marriage function was held in F 17 and

E 39 Sector III. The bride moved from one end of the colony to the other and the next morning was back at her parents place for morning tea and breakfast. Now that I am back in HEC, I met a number of those who attended my marriage at various marriage functions of children of HEC employees this year. What pleasant memories these meetings evoked in me and my wife. Dr and Mrs Roy, Mr and Dr (Mrs) S Pandit, Mr and Mrs TH Sinha, Mrs AK Sinha are some of them whom I can name.

It is a pleasure to be back in the place where I spent my childhood. Lot of old memories and dreams about the future, with the hope that HEC gets counted

among the ten best companies in India within the next five years. Let's all work together to build a better future for HEC and make it into a company which is a pride for the nation. Let's work to reach a turnover of Rs 1000 crore this year and a profit of Rs 100 crores. Then there will be no looking back. The golden days of the past are only round the corner. We have just to lean forward together and achieve what we all yearn for.

Shri Subhra Banerjee
Director (Personnel)

HEC earns profit for 6th consecutive year

During 2011-12 the company achieved a turnover of Rs.723.52 Cr. and net profit of Rs. 5.90 Cr. (Provisional). Although the net profit of Rs. 5.90 Cr. was lower than that earned during 2008-09, 2009-10 and 2010-11, the company has been able to earn profits for the 6th year in a row. The achievement during the year seems to be a credible achievement inspite of the fact that the company had faced many hurdles during the year. The company has been able to achieve 6.21% higher turnover in 2011-12 over that of 2010-11. The net profit earned during the year was lower by 84.53% that of 2010-11. Production, Gross Sales and Net Profit for the year 2010-11 were Rs. 700.55, 681.21 and 38.14 Crore respectively.

For sustaining revival, turnkey projects execution has been identified as a thrust area in addition to core area of strength like EOT cranes (general purpose & metallurgical), Rope Shovels, CNC Machine Tools for Railway & Defence, high value castings/forgings, During the year company bagged total orders worth Rs.544 crore which included project order worth Rs.208.25 crore and as on date, company is having orders worth Rs.1910 crore.

Some highlights of the year 2011-12.

- Major Despatches during the year 2011-12 include:
 - ◆ Supply of 24/96 Dragline to NCL.
 - ◆ Commissioning of 5 nos. of EOT cranes for NINL.
 - ◆ Supply of 1500 tph PG Crusher to L&T .
 - ◆ Supply of spares during the year exceeded 2010-11 by 20 %.
 - ◆ Supply of Hi-tech Deep Hole Boring Machine to Field Gun Factory, Kanpur.
- 6 nos. of State of the Art CNC Under Floor Wheel Lathe and 1 nos. CNC Surface Floor Wheel Lathe to Indian Railways.
- Major orders received during the year 2011-12 include:
 - ◆ Turnkey Project order worth Rs.208.25 crore (Coal Handling Project worth Rs.175.95 crore from NCL Krishnashila and Crusher Package worth Rs.32.35 crore from SAIL/RMD).
 - ◆ EOT Cranes of various capacity worth Rs.147.23 crore from SAIL.
 - ◆ 7 nos. of 5 CuM Rope Shovels worth Rs.47.90 crore from CIL subsidiaries.

HR issues were given top priority and the Company took following steps:

- ◆ Wage Revision of Contract Workmen in June 2011.
- ◆ Wage Revision 2007 for regular workmen in July 2011.
- ◆ Revision 2007 for Supervisors & executives in Dec-2011.

Keeping in view the customers' requirement of and need to diversify its business activities, Company had signed MOUs with the following parties.

- ◆ M/s Vitkovice a.s., Czech Republic for technology of equipments/components for Steel, Thermal power plant, Naval Ship, Nuclear Sectors.
- ◆ M/s INCO Engineering, Czech Republic for technology of Underground Mining Equipments.
- ◆ M/s V R Steel, South Africa for manufacture of:
 - Bucket for Dragline & Shovel.
 - Body for Mining Dumper.
 - Components used for Bulk Material Handling.
 - Armoring of Car/vehicle for personal & Military use.

Budgeted Plan 2012-13.

HEC has signed MOU with Department of Heavy Industry for in 2012-13 with the following target.

- ◆ Sales target for the year is Rs.1001 crore.
- ◆ Net Profit target is Rs.41.88 crore.

For 'Excellent' rating HEC needs to excel by at least 10.25%.

- Sustainable Development and CSR activities are being given special emphasis and various schemes aimed at maintaining and protecting environmental condition, reducing consumption of natural resources like coal, water, sand etc. and control of waste to preserve these scarce resources for future were taken up without compromising the growth of the company. Job oriented training to local youths like Industrial Training, Nursing Training, Computer Training and Free Health camps are in the agenda of the company under social upliftment program.
- Operationalise e-procurement System.
- Maximise recycling of water & sand.
- Revive quality circle in plants.



HEC Participates in 'India Show' at Toronto, Canada

HEC participated in 'India Show' from 17-20 October, 2011 at Toronto, Canada organized by EEPC India with the support of Indian High Commission at Ottawa and Canadian High Commission. Dr. Rahul Khullar, IAS, Commerce Secretary, GOI (in the middle) and Mr. Aman Chadda, Chairman EEPC, India visited HEC stall and expressed happiness about its turn around. Dr. Khullar further advised HEC to look for opportunities that Canada offers, in line with the kind of expertise that HEC has in manufacturing in general and Mining in particular.

HEC Participates in Tokyo Exhibition.

HEC participated in the event 'India Show' which is a part of Japan's largest exhibition 'Mechanical Components & Materials Technology Expo' (M-Tech). It was held from 20th to 22nd June 2012 at Tokyo Big Sight, Japan. India was the partner country at this event.

The 'India Show' was an initiative of Ministry of Commerce, Government of India to promote Brand India across the globe and provide a platform to Indian companies to showcase their strengths and capabilities in emerging markets and developing

countries. This show was organized by EEPC India.

HEC showcased its wide range of products and services by Audio-Video display, Bilingual Corporate Brochures & Display Panels at this event with a view to tap newer business opportunities. HEC's stall was a centre of attraction for visitors due to its multi-dimensional products and huge engineering strength. Many visitors enquired about our products.

This event provided an opportunity to promote our brand. It gives an array of hope to expand our business in Japan and South Eastern countries.



HEC Stall at India Show, Tokyo

HEC Participates in 'IITF' New Delhi



HEC participated in 'India International Trade Fair-IITF-2011' from 14-27 November, 2011 at Pragati Maidan, New Delhi organized by India Trade Promotion Organization (ITPO). Shri Arjun Munda, Hon'ble Chief Minister of Jharkhand,

inaugurated HEC stall on this occasion and wished HEC a grand success in the trade fair. He mentioned that HEC has great contribution in nation building and the State feels proud of its role in development of nuclear grade special steel.

Shri Arjun Munda, CM, Jharkhand inaugurating HEC Stall at IITF, New Delhi

Participation at India Engineering Sourcing Show - 12

"a step towards new heights!"

HEC participated in the India Engineering Sourcing Show (IESS 12) largest ever engineering, manufacturing event organized by EEPC India at Mumbai Exhibition Center, Mumbai from 22-24 March 2012 in association with Department of Commerce, Government of India, and Canada being the partner country along with Maharashtra as partner state. HEC's stall was inaugurated on 22nd March, 2012 by Mr. Milan Hovorka, Hon'ble Dy. Minister for Industry and Trade, Czech Republic and Mr. Kenneth Viagem Marizane, Hon'ble Dy. Minister for Industry and Trade, Republic of Mozambique. Shri Kushal Saha, Director (Production), HEC visited the stall

and had a meeting with Mr. Kenneth Viagem Marizane, Hon'ble Dy. Minister for Industry and Trade, Republic of Mozambique.

The exhibitors and visitors were impressed by the wide range of products and services on display by HEC for the core sector.



HEC Stall at IESS, Mumbai being inaugurated by Mr. Milan Hovorka Hon'ble Dy. Minister, Czech Republic

Participation in International Mining Exhibition - A Step Forward

HEC participated in the 4th edition of the International Mining Exhibition (IME 2012) organized by MGMI in association with Tafcon Projects (I) Pvt. Ltd. at the adjoining Salt Lake Stadium, Kolkata from 28-31 January, 2012. This premier event was related to core mining. HEC displayed its products & equipments through translite posters and audio-visual display. The exhibitors and visitors were impressed by the wide ranges of products and services showcased by HEC

meant for capital goods industries.

The Exhibition was inaugurated on 28th January, 2012 by Chief Guest Shri Alok Perti, IAS & Secretary (Coal), Government of India.

The event provided an excellent business opportunity for the manufacturers of mining and allied industry to showcase their technologies, new initiatives, products and services to the global audience.



HEC stall at IME, Kolkata

Shri R. K. Sinha, Director (BARC) visits HEC

Shri R.K.Sinha, Director(BARC) visited HEC on 13th April 2012 and appreciated the efforts of HEC in the development of Special Grade Nuclear Steel. He expressed that HEC can be associated with BARC for future.



Shri R K Sinha, Director BARC being welcomed by Shri R Misra, CMD HEC

Mr. Sinha is one of the architects of India's futuristic 300-MWe Advanced Heavy Water Reactor (AHWR), which will use thorium as fuel. He has designed and developed the Indian High Temperature Reactor for generating hydrogen which is termed "the fuel of the future." He will continue to be Director of the BARC till his successor is appointed.

Before he became Director of the BARC in 2010, Mr. Sinha was Director of the Reactor Design and Development Group and the Manufacturing and Automation Group at the BARC. Along with the former Chairman of the Atomic Energy Commission (AEC), Anil Kakodkar, he was one of the key designers of the AHWR, which will use thorium, which is abundantly available in the country. The AHWR has several innovative and passive safety features. Though the AHWR has undergone peer reviews, its construction has been delayed by several years. The candidate sites are Tarapur and Visakhapatnam.

Mr. Sinha has guided the design of the Compact High Temperature Reactor (CHTR), a technology demonstrator. It will demonstrate the technologies needed to set up small, transportable nuclear power reactors that be installed in remote areas.

Mr. Sinha has recently taken over as Chairman Atomic Energy Commission & Secretary, DAE, GOI. HEC Parivar congratulates him.

Shri Manoj Srivastava, Principal Director, Commercial Audit visits HEC

HEC has a bright future in the years to come and I am sure this company could achieve bigger turnover within next five years. With its technical know-how and commitment, HEC would certainly play a positive role in the development of the country and would earn a respectable place amongst the PSUs said Shri Manoj Srivastava, Principal Director, Commercial Audit, Jharkhand during his visit to HEC.

Shri Srivastava visited HEC to assess its capability and technical expertise. Shri Srivastava was welcomed at

Corporate office by GM (Fin.), Shri S. K. Chakraborty and other senior officials. He had a discussion with Shri R Misra, CMD HEC and thereafter visited HMBP. During his visit, he showed keen interest in the manufacturing process and also tried to know about its various products.

Shri Srivastava was extremely impressed with the facilities available at HEC. He appreciated the valuable contributions made by HEC towards the country's industrial growth.



Shri R Misra, CMD HEC welcoming Shri Manoj Srivastava, PDCA



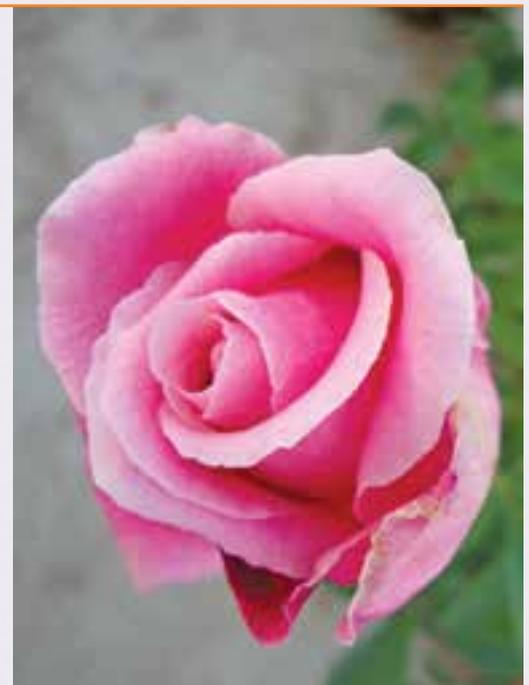
CMD, RINL, Vishakhapatnam visited HEC

Shri A.P.Choudhary, CMD RINL, Vishakhapatnam visited HEC on 23rd July 2012 and also reviewed the work progress of RINL orders. He expressed satisfaction and asked HEC for greater participation in the forth coming RINL projects.



CMD, MIDHANI visited HEC

During his visit to HEC on 19th May 2012 Shri M.Narayana Rao, CMD, MIDHANI expressed happiness over HEC's role in the development of nuclear grade special steel for India's defence need. His discussion with HEC apex team on long term association for special alloy forgings was very encouraging.





Shri R. E. Singh, GM, Incharge HMBP

सुरक्षा दिवस तथा 3 से 9 मार्च तक सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। 3 मार्च को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के अवसर पर एचएमबीपी के महाप्रबंधक श्री आर ई सिंह, एचएमटीपी के महाप्रबंधक श्री जी सी सिन्हा एवं एफएफपी के महाप्रबंधक श्री जी के यादव, ने अपने-अपने प्लांट में झण्डोत्तोलन करने के पश्चात अधिकारियों तथा कर्मचारियों को सुरक्षा का संकल्प दिलाया तथा अधिकारियों एवं कामगारों को सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य की हार्दिक शुभ कामनाएँ दी। इन तीनों प्रमुखों ने याद दिलाया कि हमारे

सुरक्षा प्रथम - सुरक्षा दिवस/सप्ताह का आयोजन

हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन के तीनों प्लांटों एफएफपी, एचएमबीपी एवं एचएमटीपी में 3 मार्च, 2012 को

कारखानों में 36 प्रकार के सुरक्षा उपकरण उपलब्ध हैं जो हर तरह से सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम हैं। इन्हें अवश्य व्यवहार में लाया जाना चाहिए जिससे हमारे कामगार अधिकारी कार्यस्थल से सुरक्षित एवं सकुशल वापस लौटें।

सुरक्षा सप्ताह में 3 मार्च से 9 मार्च तक सभी प्लांटों में सुरक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं उत्पादकता विषय पर विभिन्न तरह की प्रतियोगिताएँ

- निबन्ध, नारा, पोस्टर/ पेन्टिंग तथा विभागीय स्वच्छता तथा रख - रखाव प्रतियोगिता आदि आयोजित की गई।



Shri G. K. Yadav at safety week FFP



Shri A. K. Dutta, IRSEE, Director (Infrastructure) addressing the senior officers of HEC

"Guide to avoid and survive Vigilance Investigation"

HRD initiative

To establish whether the action of any public servant has vigilance angle, it should be judged whether the public servant in discharge of his duties has violated laid down rules of the organization irrespective of his intention to

harm other people and thus he is liable to be subjected to punitive action as per the conduct rules of the organization" said Sri A.K. Dutta, IRSEE, Director (Infrastructure), Dedicated Freight Corridor Corporation of India Ltd, Ministry of Railway. Sri Dutta, was addressing a select group of Sr. Officers of HEC in the Corporate Office. Sri Dutta was introduced by Sri Ravindra Verma, CVO, HEC. While introducing him Sri Verma mentioned about the expertise of Sri Dutta and his experience as Ex Advisor (Vigilance), Railway Board.

Sri Dutta explained the meaning of the topic – "Tail of Kaamdhenu for crossing Vaitarni – Honest person's guide to avoid and survive Vigilance Investigation" in a very convincing manner. He mentioned that possession of disproportionate assets, falsification of documents, cheating, abuse of position, misappropriation, favours, private business, vengeance, negligence/carelessness, etc. by a public servant could also attract Vigilance angle. He also explained that the fundamental norm of integrity in public service is that the public servant should act in good faith even where malice is absent. Good faith has been defined in IPC as "nothing is said to be done or believed in good faith which is done or believed without due care and attention." If there is a doubt, it is the duty of the public servant to explain how he applied due care and attention. Another norm of integrity of a public servant is that he is expected to be reasonable, fair and just.

Elaborating the conduct of honest public servant, Sri Dutta said that the work of every public servant is basically classified under two categories first is the decision taken by the public servant and secondly, Supervision of work done by officials functioning under him.

He also mentioned certain essential facets for being vigilant with respect to decision taken by public servant. He further said, a public servant should not hesitate to verify the rules to satisfy that a decision being taken is within the ambit of rules applicable and is also within the empowerment delegated. And it is a healthy practice to always record reasons and the basis of decision as it is impracticable for a person to remember the basis of decision when asked to explain the rationale after sometime. He also added that it is good caution not to take decision while a person is in a irrational state of mind especially under excitement, depression and fatigue. He also emphasized that a vigilance case can be handled best at the investigation stage.

While concluding his deliberation, Sri Dutta stated that the rituals of "dharma" in public service should be adhered to while performing 'karma' of public service and any departure is a 'Sin' as defined in every religion which leads to penance.

Sri Dutta answered many questions and clarified doubts with examples. Sri Subhra Banerjee, Director (Personnel), HEC presented a souvenir on behalf of HEC Team and thanked him for an effective interaction.



Shri S Banerjee, Director (Personnel), HEC, giving memento to Shri A K Dutta, Director (Infrastructure), DFCCIL

मुख्यमंत्री से मुलाकात...

12 जून, 2012 को हमारे अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, श्री आर. मिश्र ने झारखंड के मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा से मुख्यमंत्री आवास पर मुलाकात की उनका कुशलक्षेम पूछा। श्री आर. मिश्र ने मुख्यमंत्री को जल्द स्वस्थ होने की कामना की। श्री मुंडा ने एचईसी के विषय में जानकारी प्राप्त की और श्री आर. मिश्र को एचईसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक नियुक्त होने पर बधाई दी। वार्तालाप के दौरान श्री अर्जुन मुंडा ने एचईसी के सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



Shri R Misra, CMD HEC with
Shri Arjun Munda, CM, Jharkhand

HEC gets export order - Moving Ahead

HEC has bagged its prestigious export order for machine tools worth Rs. 11 crore from Bangladesh Railway. The contract was signed in the first week of June 2012 between HEC and Bangladesh Railway at Rail Bhawan, Dhaka.

Director General (Bangladesh Railways), Additional Director (Rolling Stock), Additional director (Procurement) and Project Director (Modernizations of Saidpur Railway workshop) from Bangladesh Railway and Sri G.C. Sinha, GM (HMTP), HEC were present in the contract signing ceremony.

Railway transport movement had never been a priority for Bangladesh in the past as Bangladesh was totally dependent on road transport. However, in the changed economic scenario, the Railway Transport in Bangladesh has started getting substantial momentum and is being considered as a key thrust area. Bangladesh Railway has taken a step towards the modernization of their Railway workshop for the first time after British Rails had set up the Railway infrastructure 159 years back in the United India.

Under this contract, HEC will be supplying different types of machines to various sheds of Saidpur Railway Workshop in Bangladesh. Execution of the contract will open up many opportunities in Bangladesh Railway for us, as they have planned to invest in a big way in Railway infrastructure.

This export order has given a major boost to HMTP unit of HEC. Delivery on time and successful commissioning of this project could pave way for HMTP unit to enter export market of machine tools in neighbouring countries like, Srilanka, Pakistan, Myanmar, Malaysia etc.

The efforts of Sri Ashish Kumar, Rakesh Kumar, Mukesh Kumar & Balbir Singh have been exemplary in obtaining this export order. Kudos to the young executives of Marketing department.

Another feather in our Cap

HEC added another feather in its cap by achieving another milestone. A CNC Deep Hole Boring Machine, Model BDH 140N was cleared for dispatch by Sri Kulveer Singh Yadav, Works Manager, Ordinance Factory, Kanpur recently.

A simple dispatch ceremony at HMTP was organized where Sri R. Misra, CMD; Sri Kushal Saha, Director (Prodn.); GMs and other Senior Officers of HEC and Sri K S Yadav, Works Manager, Ordinance Factory, Kanpur were present. Sri R. Misra congratulated Team HMTP for this unique achievement and appreciated the effort taken by Team HMTP.

This machine has been designed for a maximum bore dia. of 350 mm upto a maxm. bore length of 12000 mm. The machine bed has a length of 30 meters and has a special feature of bottle boring facility. With the induction of this machine, Ordnance Factory, Kanpur will get such kind of machine for the 1st time having bottle boring facility. By supplying a single machine worth more than Rs. 19 crore HMTP has added a new dimension to its history.

The toolings of the machine have been imported from M/s BTA Tech. Dr. Greuner & GmbH, Germany. The engineers from Dr. Greuner, Germany were in HEC for training in the use of their tools. They were very happy with the versatility and quality of the machine and expressed that such sturdy machines are rarely built in other parts of the world.

With the success of this machine, CMD, HEC has exhorted the HMTP Unit to explore the possibility of export of these machines to the developing and developed countries.



A view of CNC Deep Hole Boring Machine

वेंटिलेटर नं० 1 का नवीकरण : टीम वर्क की उपलब्धियाँ!

यदि दूरदृष्टि, टीम वर्क एवं कुछ अलग करने का उत्साह हो तो हम क्या नहीं कर सकते हैं। एफएफपी के कुछ लगनशील कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने अदम्य टीम भावना का परिचय देते हुए ऐसा ही कुछ कर दिखाया है। एफएफपी के विभिन्न शाखाओं में प्रोड्यूसर गैस आगे बढ़ाने के लिए तथा कोयला से प्रोड्यूसर गैस बनाने हेतु प्रोड्यूसर को आवश्यक हवा देने के लिए 4 अदद वेंटिलेटर गैस प्लांट में संस्थापित किये गये थे। इसमें 2 (दो) मोटर की क्षमता (वेंटिलेटर नं.-1 एवं



A view of Ventilator No.-1 at Gas Plant, FFP

से ब्रेक डाउन था। सितम्बर 2011 माह में वेंटिलेटर नं. 2 एवं 3 मोटर के तीव्र कंपन (वाइब्रेशन) के कारण अकार्यशील हो गया और सात दिनों के लिए गैस प्लांट में कार्य प्रभावित हुआ। उल्लेखनीय है कि रविवार एवं अवकाश दिनों समेत गैस प्लांट लगातार 24 घंटे प्रतिदिन प्रचालन में रहता है।

4) प्रत्येक का 134 किलोवाट और शेष दो (वेंटिलेटर नं. -2 एवं 3) प्रत्येक का 330 किलोवाट है। वेंटिलेटर नं.-1 एवं 4 विगत 12 माह

गैस प्लांट को वेंटिलेटर नं.-3 को रिपेयर के द्वारा प्रचालन में रखा गया था। उसी समय वेंटिलेटर यूनिट नं.-4 का भी रिपेयर किया गया और परीक्षण सफल रहा। पुनः मोटर नं. -3 अत्याधिक वाइब्रेशन के कारण अकार्यशील हो गया और गैस प्लांट यूनिट सं.-4 के द्वारा ही संचालित रहा। वाह्य एजेंसी से वेंटिलेटर यूनिट सं.-1 एवं 4 की मरम्मत के लिए सम्पर्क किया गया। वाह्य एजेंसी ने प्रत्येक के लिए रु. 7 लाख का बजट दिया। यूनिट नं.-4 के सफल संचालन के अवलोकन के उपरांत पूरी गैस प्लांट टीम ने यूनिट नं.-1 की विभागीय मरम्मत के लिए निर्णय लिया एवं कार्य आरंभ किया। 3 महीने में यूनिट प्रचालन के लिए तैयार हो गया। निदेशक (उत्पादन) ने 20 फरवरी 2012 को यूनिट नं.-1 का संचालन प्राप्त किया।

अब एक यूनिट अतिरिक्त उपलब्ध है और एक यूनिट कार्यशील है। 330 किलोवाट मोटर की जगह 134 किलोवाट मोटर के प्रचालन से बिजली बिल में रु0 55 लाख प्रतिवर्ष की बचत की गई। यूनिट सं0-1 एवं 4 के नवीकरण में श्री जी.पी. सिंह, वरीय उप महाप्रबंधक, श्री आर.के. सिंह, प्रबंधक, श्री लुईस लोगुन, कनीय प्रबंधक, श्री धनम महली एवं श्री विरेन्द्र कुमार ने अग्रणी भूमिका निभाई। 'एचईसी परिवार' द्वारा गैस प्लांट, एफएफपी की टीम को इस उत्कृष्ट कार्य के लिए हार्दिक बधाई!



बधाई

श्री नरेन्द्र कुमार, का. सं. 82014, भण्डारपाल, ग्रेड-ए, अनुरक्षण शाखा, एचएमटीपी (वर्तमान में मुख्यालय परिवहन विभाग में स्थानान्तरित) ने फरवरी से अप्रैल 2012 तक के दौरान एचएमटीपी की चहारदीवारी के अन्दर झाड़ी कटवाने का काम करवाया। इस कार्य में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का पूरा सहयोग मिला। प्राथमिक उपचार केन्द्र से लेकर पैकिंग एवं डिस्पैच शाखा तक अन्दर की चहारदीवारी से सटी लगभग 5 किलोमीटर लम्बी सड़क है जिस पर पहले सुरक्षा बल द्वारा जीप से पेट्रोलिंग किया जाता था। झाड़ी एवं पेड़ों के घने जंगल का शक्ति अख्तियार कर लेने के कारण गाड़ियों का आवागमन बंद था। श्री नरेन्द्र कुमार ने सफाई करवा कर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की पेट्रोलिंग के लिए रास्ता तैयार कर दिया। इससे एचएमटीपी की सुरक्षा में सहूलियत होगी। एचईसी परिवार की ओर से श्री नरेन्द्र कुमार को हार्दिक बधाई!



शाबाशी!

एचएमटीपी शांप-13 के हीट ट्रीटमेन्ट सेक्शन में दिनांक 17.04.2012 को करीब 1.45 बजे अपराह्न फर्नेस न. 1317 के केबुल में आग लग गई, जिसमें केबुल बुरी तरह जल गया। भोजनावकाश होते हुए भी वहाँ पर उपस्थित श्री रामा शंकर प्रसाद, सीपीएफ संख्या 4891, कन्ट्रैक्ट टर्नर ने बहादुरी का परिचय देते हुए तुरन्त बिजली विभाग को सूचित कर बिजली बंद करवाया एवं नाक पर रूमाल बाँध कर अग्निशामक यंत्र लेकर फर्नेस के अन्दर आखिरी सीढ़ी तक पहुँच गए। लगभग 10 फीट की दूरी से अग्निशामक यंत्र की सहायता से आग पर काबू पाया। यदि आग फैलती तो पास में अवस्थित ट्रान्सफार्मर एवं अन्य पुर्जों के जलने से लाखों का नुकसान हो सकता था। श्री रामा शंकर का यह साहसिक कार्य सबों के लिए अनुकरणीय है।

एचईसी परिवार की ओर से श्री रामा शंकर प्रसाद को धन्यवाद एवं शाबाशी!

तेल की बचत



वर्षों से एफएफपी के 03-हेवी फोर्ज शॉप में करीब 48 हजार लीटर डीजल खर्च कर फरनेस नम्बर 3509 में ड्रैगलाइन के लिए हाफ रीम की फोर्जिंग की जाती थी। प्रोड्यूसर गैस का खर्च तो अलग से था ही, हाफ रीम का बाहरी व्यास 4100mm, भीतरी व्यास 3400mm और ऊँचाई 730mm है जिसे 57 टन के इनगोट से बनाया जाता है। फरनेस नम्बर 3512 जो 3509 की तुलना में काफी छोटा है और इस माप के फोर्जिंग को उसमें चढ़ाना-उतारना काफी कठिन है एवं इसके पूर्व कभी भी इसकी फोर्जिंग फरनेस नम्बर 3512 में नहीं की गई थी। नई विधि से केवल प्रोड्यूसर गैस से गर्म करके यह फोर्जिंग बनायी गयी, जिससे करीब 48 हजार लीटर डीजल की बचत हुई। इस कार्य में श्री रामनरेश प्रसाद, वरीय उपमहाप्रबन्धक, 03 शॉप, एफएफपी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। निगम के लाखों रूपयों की बचत करने के लिए श्री राम नरेश प्रसाद को 'एचईसी परिवार' की ओर से हार्दिक बधाईयाँ।



Harshit, S/o Sri Sanjay Sinha, Sr. Mgr (Corp Mktg.)/ HQJoined BITS, Pilani IITJEE: AIR-13461, AIEEE: AIR-10032 VIT VELLORE: AIR-7012, MANIPAL: AIR-1100

Anmol Sinha, S/o Shri A.K.Sinha, Sr. Mgr (Maint./O2)/FFP Joined in Symbiosis International University, Pune
KIITEE: AIR-53, AILEE: AIR-165
CLAT : AIR-1653



Vidya, D/o Shri S. Subramaniam, SDGM (TA Divn.), Joined in Symbiosis International University, Pune

Amiya Pushp, S/o Sri Anil Kumar, SDGM/Purchase/Project Joined IIT (BHU), Varanasi
IITJEE: AIR-2811, AIEEE: AIR-8535



Gaurav Shresth, S/o Sri Susheel Kumar SDGM, Maintenance/HMBP Joined RIMS Ranchi | AIPMT Rank 153



Sristi Survi, D/o Shri S.K.Sinha Sr. Mgr. /Assembly/HMTP Joined at VIT, Vellore, AIEEE: AIR-43787, VIT VELLORE: AIR-9055, SRM: AIR-1763, KIITS: AIR-2078



Reshu Ranjan, D/o Sri H. Vishwakarma Sr. Mgr./ PSD/ FFPJoined at PMCH, Dhanbad
JCECEB: AIR-123

उभरती प्रतिभाएँ



राहुल रंजन, पुत्र श्रीमती संगीता सिन्हा, व. उपमहाप्रबंधक (नगर प्रशासन) एवं श्री रवि रंजन श्रीवास्तव ने अपनी उत्कृष्ट उपलब्धियों से अपने एवं एचईसी परिवार को गौरवान्वित किया है। इन्होंने अभी BITS, Pilani (Pilani Campus) में प्रवेश लिया है। इनको सामान्य कोटि में IIT-JEE में 7767 तथा AIEEE में 17275 रैंक प्राप्त हुआ। इसके आधार पर इन्हें BIT, Mesra में असेैनिक अभियंत्रण में प्रवेश मिला था। इन्हें बारहवीं कक्षा में जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली में 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त हुआ। इस आधार पर इन्हें CBSE द्वारा पांच वर्षों के लिए प्रतिवर्ष 80,000/- रूपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जायगी। एचईसी परिवार राहुल रंजन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है तथा हार्दिक बधाई देता है।



सुश्री जया दुबे, सुपुत्री श्री दीपक दुबे, वरीय उपमहाप्रबंधक (का. एवं प्र.), एफएफपी, वर्ष 2012 की केन्द्रीय माध्यमिक परीक्षा पर्षद द्वारा आयोजित दसवीं की परीक्षा कैराली स्कूल, सेक्टर-2 से दस में दस CGPA प्राप्त कर उत्तीर्ण हुई हैं। यह बचपन से ही बहुत मेधावी रहीं हैं। इन्हें कविता लिखने का भी शौक है। हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

Arundhati Mahapatro, D/o Mr. Abhaya Kumar Mahapatro, Sr. Mgr. (Rectt.) P & A, Hqrs won the First prize in an Inter School Debate Competition on 'pros and cons of short message service (SMS) language and Social Networking Website' organised by PRAYAS.

This apart, she recently bagged first prize in the Debate Competition in Class XI in DPS Ranchi.

Congratulations! Arundhati.



Manisha, D/o Sri H.Vishwakarma Sr. Mgr/PSD/ FFP, Joined at Dental College, Garwah, JCECEB: AIR-503, DMAT-MP: AIR-1220

Shambhavi Pan
D/o Dr. Tarun Pan, 96.4% in ICSE, 2012 & 3rd Topper in St. Thomas School, Ranchi



एचईसी परिवार के इन नौनिहालों को उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाईयाँ।

होली मिलन समारोह

एचईसी की महिला समिति ने संरक्षिका श्रीमती मिनाक्षी मिश्र एवं अध्यक्ष श्रीमती शिखा साहा के मार्गदर्शन में सचिव श्रीमती शोभा सिंह ने 5 मार्च, 2012 को सादगी से होली मिलन समारोह का आयोजन किया। समिति के सदस्यों ने इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया तथा इसमें रंग-गुलाल से सूखी होली खेली गई। समारोह के मुख्य अतिथि एचईसी के अध्यक्ष सह प्रबन्धनिदेशक श्री आर मिश्र ने इस अवसर पर सभी को होली की ढेर सारी शुभ कामनाएँ दीं।



Smt. Minakshi Misra at Holi Milan Samaroh

एचईसी में मई दिवस के अवसर पर विशेष भोजन

मजदूर दिवस के अवसर पर 1 से 3 मई 2012 तक एचईसी के तीनों प्लांटों में कर्मचारियों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था की गई। श्री आर. मिश्र सीएमडी, श्री कुशल साहा, निदेशक (उत्पादन), श्री शुभ्र बनर्जी निदेशक (कार्मिक) एवं अन्य वरिय अधिकारियों ने सभी प्लांटों में जाकर कर्मचारियों के साथ सामूहिक भोजन किया। श्री मिश्र ने उपस्थित सभी निगम कर्मियों का उत्साह वर्द्धन करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं तथा लक्ष्य की प्राप्ति हेतु उत्पादकता बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर एचईसी कर्मियों ने एक साथ भोजन करने का आनन्द उठाया। उम्मीद की जाती है कि ऐसे आयोजनों से प्रबंधन एवं कर्मियों के बीच सद्भावना का माहौल कायम होगा।



प्रकृति

प्रकृति सुन्दरता का भण्डार!
वादियों को चीरता हीरों का खदान
सूरज की रौशनी से चमकता यह जहान।

वादियों के बीच का अनन्त भवन
सुकून और शांति से भरा जहाँ का पवन
उद्यान के सुगंधित पुष्पों व भौरों की यह पुकार
रस और सुगंध से महकता यह जहान।

तरू, जो देता है परोपकारी होने की सूचना
परिस्थितियों का जो करे डटकर सामना
बर्फीली चादर से ढका यह अथाह संसार
हरी-भरी फसलों से ये धरती है गुलजार
प्रकृति सुन्दरता का भंडार!

नया भारत

पूर्वजों की भूमि है यह भारत,
इस पर निर्माण करना है नया भारत,
आदर्शों की प्रतिमूर्ति है जो, जहाँ तरक्कियों की है बुलंदी,
वह देश है नया भारत।

हम हैं इस देश के नागरिक,
हमें सूझ-बूझ से है आगे बढ़ना,
वर्तमान निर्धारित करना,
जहाँ हो दृढ़ता और संवेदनशीलता,
वह देश है नया भारत।

आतंक से जो लड़ता,
अहिंसा की राह चलता,
सतयुगता से परिपूर्ण है,
प्रण है जिसका भ्रष्टाचार मिटाना,
वह देश है नया भारत।

महविश फातमा

सन्त थॉमस स्कूल, धुर्वा
कक्षा - 9वीं
पुत्री श्री एस ए एच फातमी
सहायक प्रबन्धक प्र. एवं का./ एचएमटीपी



डॉ शंकर दयाल सिंह स्मृति पुरस्कार का शुभारम्भ

राजभाषा हिन्दी में सर्वोत्कृष्ट मौलिक कार्य के लिए हिन्दी पखवाड़ा/ दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष निगम के एक कर्मचारी या अधिकारी को डॉ शंकर दयाल सिंह स्मृति पुरस्कार “प्रशस्ति पत्र” प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा।

यह पुरस्कार इसी वर्ष 2012 से प्रारम्भ होगा। अधिक से अधिक संख्या में कर्मचारियों एवं अधिकारियों से इस प्रतियोगिता में भाग लेने का अनुरोध किया जाता है।

विज्ञान और मानव-मन

मनुष्य जीतना चाहता है धरती से आसमान तक
जैसे अथाह है समुद्र की सीमा, वैसा ही अनन्त है आसमान
अनेक ग्रह नक्षत्र चाँद और तारे, परिक्रमा करते हैं सूर्य की
सभी घूमते हैं अपनी-अपनी धूरियों में

अनेक आकाश गंगाएँ और निहारिकाएँ
निहारिकाओं से जन्म लेते तारे, आसमान में झिलमिल करते सितारे
बादलो का विभिन्न आकृतियाँ बनाकर उमड़ना-घुमड़ना

बरसात का मौसम और रिमझिम फुहारें
फिर हल्की धूप में इन्द्रधनुष का दिखना
विस्तृत नीला आकाश मोह लेता है मेरा मन

आसमान के ग्रह नक्षत्र, कुछ छोटे कुछ बड़े
कुछ पृथ्वी से भी बड़े

ब्लैक होल्स! जिसमें गुम हो जाती हैं रौशनियाँ
क्या क्या नहीं है आसमान में!
उस आसमान की सैर करता मानव मन

धन्य हैं वे वैज्ञानिक, जो लगे हुए हैं खोजमें
प्रकृति के रहस्य को
ढूँढ़ रहे हैं दूसरे ग्रहों पर जाने का रास्ता
कहीं पर मिल जाए जिन्दगी के सुराग

और हमारे धरती के समान ही
या, इससे भी उन्नत संस्कृति
कैसा होगा वह दिन!
वास्तव मे विज्ञान एक वरदान है,
सृष्टि की खूबियों को एक दूसरे से जोड़ने का

परन्तु कुछ नकारात्मक विचारधारा के लोग
इस ज्ञान का नकारात्मक प्रयोग कर
तोड़ डालते हैं मनुष्य का दिल
खत्म कर देना चाहते हैं मनुष्यता

उड़ा डालते हैं इमारतें, पुल, रेल, और प्लेन

बच्चों के हाथ में हथियार सौंपकर
विध्वंस कर देना चाहते हैं सारी सृष्टि
आंसुओं में डूब जाती हैं मानवता

और इस तरह बना देते हैं विज्ञान को अभिशाप

संभलना जरूरी है मनुष्यो
बारूद के ढेर पर बैठी है यह दुनियाँ

सोचो तुम चाहते क्या हो?
एक उन्नत संस्कृति
विकसित खुशहाल युवा पीढ़ी
या सृष्टि का विनाश
एक क्षण रूको और सोचो
सब कुछ तुम्हारी हाथों में है।

तन्हा है आदमी

लाखों की भीड़ है मगर तन्हा है आदमी
इन्सानियत के सामने ठिगना है आदमी।

कितने कतल हुए जाति के नाम पर
कितने हवन हुए धर्मों के नाम पर।

जाति-धर्म के नाम पर बिकता है आदमी
ईश्वर-खुदा के नाम पर कटता है आदमी।
लाखों की भीड़ है मगर तन्हा है आदमी।

रंगते है हाथ हम भाई के खून से
करते है बेगुनाहों के कत्ल जुनून से

बुद्धि-विवेक-हीन है, अन्धा है आदमी
दुश्मन की राजनीति का बन्दा है आदमी।
लाखों की भीड़ है मगर तन्हा है आदमी।

विचलित नहीं हुआ जो दुखियों की आह पर
पिघला नहीं किसी के दर्द-व-कराह पर

संवेदना से हीन है, पत्थर है आदमी
क्यों भावना-विहीन है, बंजर है आदमी।
लाखों की भीड़ है मगर तन्हा है आदमी।

विज्ञान आदमी के हाथ में वो चीज है
बुद्धि विवेक से भरा हुआ तावीज है

चाहे तो स्वर्ग इस धरा पे ला दे आदमी
रोते हुए इन्सान को हँसा दे आदमी।
लाखों की भीड़ है मगर तन्हा है आदमी।

ऐसा ना हो सका इसी का मलाल है
इन्सानियत के सामने ये एक सवाल है

बारूद के ही ढेर पर बैठा है आदमी
विज्ञान नारियल है, बन्दर है आदमी।
लाखों की भीड़ है मगर तन्हा है आदमी

खौला नहीं जो रक्त वतन की पुकार पर
देश की इज्जत व अखण्डता के सवाल पर

आतंकी घुसपैठियों पर मौन है आदमी
जिन्दा है जिस्म फिर भी मुर्दा है आदमी।

लाखों की भीड़ है मगर तन्हा है आदमी
इन्सानियत के सामने ठिगना है आदमी।

डॉ. उषा किरण सिन्हा
का. सं. 81431, सीपीएफ सेक्शन
मुख्यालय एचईसी, राँची



Personal Tax Rates for Financial Year 2012-13

MEN & WOMEN	
Income (Rs.)	Rate %
0-2,00,000	Nil
2,00,001-5,00,000	10
5,00,001-10,00,000	20
10,00,001 and above	30

@ Education Cess of 2% and Secondary & Higher Education Cess of 1% are leviable on the amount of income tax and surcharge (Wherever applicable)

For resident senior citizens (who is 60 years or more at any time during the previous year) the exemption limit would be Rs. 2,50,000 instead of Rs. 2,00,000.

Know Your Colleague



Shri U. K. Chaudhary with Smt. Usha Chaudhary

There are a few dedicated engineers whose passion for fine-art would attract respect and admiration as well. Meet one such person from our HEC family itself- Mr U.K. Chaudhary, SDGM, Project Division. His talents would annually find reflection on the occasion of Vishwakarma Puja, when he creates breathtaking tableaus of Lord Vishwakarma.

Few of us who got the chance to visit his home in sector II would get the glimpse of his artistic spirit. The different statues and varieties of paintings would give one a feeling of being in some fine Art Studio.

A very straight forward person, Shri Chaudhary would not shy away from narrating his childhood stories of Munger, his native place where the seeds of art were sown in his heart. Munger, as he narrated is a citadel of sculpturists and artists, who would rarely like to share their skill with others. His desire to learn this art was undaunted despite the scolding at home and the dispelling of the artists during his early days. He found his own unique way to learn sculpture and his physics teacher, an artist himself gave him the chance to learn it secretly.



Vishal Ranjan

An artist is often imagined to be one who likes solitude. But far from it, his love for art became a source of social link. Children are a source of inspiration for him and he loves to give them tips on art. Some of them have even excelled at all India level Competitions for Art and Paintings.

Being and living in harmony with nature is what he preaches and practices. His well cared and maintained terrace garden, with a collection of around 250 different varieties of roses energizes him, his family, his friends and relatives who gather in his house. He is readily available to decorate walls on traditional themes in a marriage ceremony of a colleague's son or daughter.

Shri Chaudhary's work life balance and lifestyle is a good example to emulate shouldering the responsibilities as a head of the family at the same time. He is blessed with two sons. His eldest son, Vishal Ranjan is Doctorate in Biotechnology from CDRI Lucknow and is serving in Mumbai while the youngest son Manish Kumar is a B.E. (Electrical) from IT-BHU, Varanasi and is at present working with BHEL, Bangalore.



Manish Kumar

His wife Smt Usha Chaudhary is a home maker and a good art critic always encouraging and standing by him all through ups and downs of life. At the end of the day Shri Chaudhary observes "When you get back to doing things that lifted your spirit and sent you soaring, you reconnect to that state of happiness that you may have lost in your routine life. Purpose of life is to be happy – Really Happy!!!"



Work of art by Shri U. K. Chaudhary

सम्पादक की कलम से...✍

प्रिय सुधी पाठकवृन्द,

आपको यह जानकर हर्ष होगा कि “शैलजा नायर फाउन्डेशन” द्वारा आपकी गृह पत्रिका ‘एचईसी परिवार’ को पुनः वर्ष 2012 में ‘ICE Award’ - ‘Inhouse Communication Excellence’ में Certificate of Merit प्राप्त हुआ है। ज्यूरी द्वारा पत्रिका की विषय वस्तु एवं साज-सज्जा की सराहना की गई है, परन्तु जिस खामी की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट कराया गया है, वह है - सामूहिक सहभागिता का अभाव। हम आपकी रचनाओं, विचारों एवं उपलब्धियों का खास ध्यान रखते हैं। आपके परिवार की छोटी बड़ी खुशियों में शरीक होकर इस वृहत एचईसी परिवार में बाँटना चाहते हैं, जिससे आपके साथ-साथ पूरे एचईसी परिवार का उत्साह वर्द्धन हो। अतः हमें पूर्ण विश्वास है कि एचईसी परिवार के लिए आपकी सहभागिता में निरंतर वृद्धि होगी।

एचईसी ने लगातार छः वर्षों तक लाभ अर्जित किया है तथा इन सफलताओं के लिए इसे बी.टी. स्टार पीएसयू एक्सेलेंस अवार्ड-2012 (टर्न एराउन्ड कैटेगरी) से नवाजा गया है, यह हमारे लिए बेहद उत्साहवर्द्धक है। हमने विगत वित्तीय वर्ष के आखिरी तीन महीनों जिस जोश और जज्बे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इस मुकाम को हासिल किया है, उसी जोश और जज्बे के साथ अगले आठ महीने मेहनत कर हम एचईसी के लिए सातवें वर्ष भी रिकॉर्ड उपलब्धि हासिल करेंगे। इसका हमें पूर्ण विश्वास है।

‘एचईसी परिवार’ का यह अंक कुछ बदले कलेवर में प्रकाशित किया जा रहा है, आशा है आप इसे पसंद करेंगे।

अंत में ‘एचईसी परिवार’ का यह अंक आपको कैसा लगा। अपने सुझाव एवं प्रतिक्रिया हमें निःसंकोच प्रेषित करें। हम उससे सीख लेंगे तथा आगे प्रकाशित होने वाले अंकों में उसे शामिल करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना एवं अभिनन्दन!

कृते सम्पादक मण्डल

अनुग्रह झा

anugrahjha@hecltd.com

हरियाली तीज

एचईसी महिला समिति ने हर बार की तरह इस बार भी ‘हरियाली-तीज’ और ‘सावन संध्या’ का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया। महिला समिति की संरक्षिका श्रीमती मिनाक्षी मिश्र के कुशल नेतृत्व में कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ इस अवसर पर समिति के सभी सदस्यों ने साथ-साथ सावन संध्या के कार्यक्रम में गाने, कविता, हास्य-नाटिका, झूला और झूले के गीतों का भरपूर आनंद उठाया। इस अवसर पर एक हास्य नाटिका भी प्रस्तुत की गई।

हास्य-नाटिका में बरसात की समस्या लेकर श्रीमती शिखा साहा, श्रीमती कुन्तला बनर्जी, श्रीमती उषा सिन्हा, श्रीमती प्रभा, श्रीमती नुपूर और श्रीमती प्रतिभा द्वारा अपनी नाट्य क्षमता का प्रदर्शन किया। उपस्थित सदस्यों ने हास्य नाटिका की भरपूर प्रशंसा की। श्रीमती अनिता राज, श्रीमती वाणी सिन्हा, श्रीमती शालिनी वर्मा, श्रीमती आरती नाथ, श्रीमती कविता, श्रीमती जया, श्रीमती मीरा और श्रीमती रीता द्वारा गीत एवं कजरी की प्रस्तुति प्रशंसनीय थी। ‘प्यासी नदी और नाले की सुन्दरता’ शीर्षक की कविता का प्रस्तुतीकरण श्रीमती उषा सिन्हा और श्रीमती नूतन चौधरी द्वारा किया गया। सबने मिलजुलकर बड़े ही उत्साह से इस कार्यक्रम को सम्पन्न किया। सावन क्वीन का चयन भी बड़े जोर-शोर से किया गया। श्रीमती आरती नाथ को सावन क्वीन घोषित किया गया।

मंच संचालन श्रीमती उषा सिन्हा और श्रीमती शालिनी वर्मा द्वारा किया गया।



‘संरक्षिका महिला समिति’ द्वारा ‘सावन क्वीन’ का सम्मान



सांस्कृतिक कार्यक्रम की झांकी

स्वतंत्रता दिवस का पैगाम

हमें नेता नहीं, नेता सृजेता चाहिए।
अमन चाहिए, मुक्त गगन चाहिए।
नहीं रक्त रंजित महि, सस्यश्यामल धरा चाहिए।
हमें भारत-भरत का, प्यारा वतन चाहिए।
हमें नेता नहीं, नेता सृजेता चाहिए।

कस लिया मुल्क को, जहरीले रहबरों ने।
घर में लगा दी आग, घर के ही चिरागों ने।
मिली थी वतन को आजादी मुद्दतों के बाद।
पर आजाद भारत में ही, हम दफन हो गए।
हमें नेता नहीं, नेता सृजेता चाहिए।

गर्दिशों में रही जनता, क्या क्या गुजर गए।
मनाए मौज मस्तियाँ, वे धरती से अम्बर पर चढ़ गए।
वतन है मौन, बताओ ए रहबरों।
क्या फिरंगी हुकूमत अच्छी थी?
या तुम्हारी हुकूमत अच्छी है?
हमें नेता नहीं, नेता सृजेता चाहिए।

कहीं हाहाकार क्रंदन, रूदन की चीखें आती हैं।
कहीं फटेहाल जनता, दाने को तरसती है।
कहीं महलों में खुशियाँ, घी के दीप जलते हैं।
बेबस लाचार जनता, कुत्तों की मौत मरती है।
हमें नेता नहीं, नेता सृजेता चाहिए।

वतन के लोगों मत भूलो, वीरों की शहादत को।
लगने न दो धब्बे गगन के उन सितारों को।
जिन्होंने दी तुम्हें भारत-भरत का प्यारा वतन
लहू से सींचकर यह नूतन वतन।
यदि कोई सर उठाए, भारत की तरफ।
उठा लो खड्ग बाबू कुवंर सिंह, लक्ष्मीबाई की तरह।
उड़ा दो डायर को उधम सिंह, पैटन टैंक अब्दुल हमीद की तरह।
हमें नेता नहीं, नेता सृजेता चाहिए।

मैं प्रणाम करता हूँ उनकी जवानियों को।
मैं सलाम करता हूँ, उनकी कुर्बानियों को।
वतन पे यदि आए, कोई भी संकट।
जीवंत कर दो भगत, आजाद एवं सुभाष की कुर्बानियों को।
हमें नेता नहीं, नेता सृजेता चाहिए।

हम जो भी हैं जहाँ भी हैं, आखिर हैं तो वतन के रहबर।
बनो खुदारे-वतन, न गदारे-वतन।
जयचन्द, मानसिंह और मीर जाफर बनकर,
न होगा भला, न होगा भला, न होगा भला।
न कुछ तेरा न कुछ मेरा, सब कुछ है वतन का।
जन मन में हो प्रेम भाईचारा, भाव हो राष्ट्रीयता का।
हमें नेता नहीं, नेता सृजेता चाहिए।



रामकिशोर सिंह 'चौहान'
सहायक प्रबंधक, मुख्य भंडार, एचएमबीपी

You remain in our Hearts...



Mahli Oraon (39232)



Rupna Kurmi (20577)



Shyamandan Singh (38981)



Giriwar Prasad (51757)



Bandhu Oraon (79921)



Budhan Lal (81097)



Schidanand Singh (81295)



Rajeshwar Pd. Singh (81421)



Mangru Oraon (82610)

• एचईसी लिमिटेड, राँची द्वारा प्रकाशित • मे. स्पीडो प्रिन्ट, राँची द्वारा मुद्रित • केवल आंतरिक वितरण के लिए।